ATMA RAM SANATAN DHARMA COLLEGE

(UNIVERSITY OF DELHI)

संस्कृत सम्भाषण कार्यशाला

दिनांक – 14.02.2023 – 25.02.2023

प्रतिभागियों की संख्या - 42

आयोजक – संस्कृत विभाग एवं आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

वक्ताओं के नाम एवं सम्पर्क विवरण –

- प्रोफेसर कमला भारद्वाज, अखिल भारतीय उपाध्यक्षा, संस्कृत भारती , 9810967067
- प्रोफेसर ए. सुधा देवी, पूर्व संस्कृत विभागाध्यक्षा, ए. आर. एस. डी. कॉलेज, 8376987098
- डॉ. देवकीनन्दन शर्मा, प्रान्त मन्त्री, देहली प्रान्त संस्कृत भारती, 9555932348
- डॉ. करुणा आर्या, सहायक आचार्या, संस्कृत विभाग, कला सकाय,

  दिल्ली विश्वविद्यालय, 9310258467
- डॉ. अनिता रानी, प्रशिक्षिका, संस्कृत भारती, देहली प्रान्त, 8010304434

आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 10 दिवसीय (14-25 फरवरी 2023)30 घंटे की कार्यशाला कॉलेज की आइक्यूएसी तथा संस्कृत विभाग द्वारा दिल्ली प्रांत संस्कृत भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई । इसके लिए महाविद्यालय के 40 से अधिक छात्र छात्राओं ने पंजीकरण कराया । बीए प्रोग्राम संस्कृत के अतिरिक्त हिंदी विशेष ,राजनीति विज्ञान विशेष, इतिहास विशेष, अर्थशास्त्र विशेष और बीकॉम प्रोग्राम के छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।14 फरवरी को उद्घाटन सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य अध्यक्ष , दिल्ली प्रांत संस्कृत भारती के प्रांत मंत्री डॉक्टर देवकीनंदन शर्मा मुख्य अतिथि तथा कॉलेज की पूर्व संस्कृत विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर ए. सुधा देवी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे । 10 दिन तक प्रतिदिन 3 घंटे की संस्कृत संभाषण कार्यशाला में छात्र छात्राओं ने उत्साह पूर्वक प्रतिभागिता की । 25 फरवरी 2023 को संस्कृत भारती की अखिल भारतीय उपाध्यक्षा प्रोफेसर कमला भारद्वाज मुख्य अतिथि के रूप में , संस्कृत विभाग - दिल्ली विश्वविद्यालय की सहायक आचार्या डॉ. करुणा आर्या विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मूल ग्रंथों को समझने के लिए अनिवार्य है संस्कृत का ज्ञान यह बात समापन समारोह के अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य प्रोफ़ेसर ज्ञानतोष कुमार झा ने कही । मुख्य अतिथि प्रोफेसर कमला भारद्वाज ने संस्कृत भाषा को जन भाषा से पहले मन की भाषा बताया और यह भी कहा कि इस प्रकार की कार्यशाला से भाषा का संस्कार पड़ता है , भाषा के बोध के लिए सतत

अभ्यास अनिवार्य है । प्रतिभागियों ने समापन समारोह में संस्कृत भाषा में संस्कृत गीत, संस्कृत कथा, संस्कृत भाषा में अपना अनुभव, संस्कृत में नाट्य अभिव्यक्ति आदि की प्रस्तुति के माध्यम से कार्यशाला की सफलता को दर्शाया।कार्यशाला शिक्षिका डॉ.अनीता रानी ने अपना अनुभव साझा किया। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं इतिहास विभाग के प्रोफेसर अजीत कुमार के विशेष सहयोग से संस्कृत को व्यावहारिक बनाने के उद्देश्य की पूर्ति हेतु कार्यशाला से विद्यार्थी लाभान्वित हुए। विद्यार्थियों ने फीडबैक फॉर्म के माध्यम से भविष्य में भी संस्कृत सम्बन्धी कार्यक्रमो के आयोजन का सुझाव दिया।

पोस्टर

चित्र

ATMA RAM SANATAN DHARMA COLLEGE

(UNIVERSITY OF DELHI)

प्रमाणपत्र

ATMA RAM SANATAN DHARMA COLLEGE

(UNIVERSITY OF DELHI)

प्रतिपुष्टि

ATMA RAM SANATAN DHARMA COLLEGE

(UNIVERSITY OF DELHI)

रहा।

संस्कृत सम्भाषण कार्यशाला रिपोर्ट 2023

दि ग्राम टुडे दिल्ली विकास मिश्र

आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज में 14 फरवरी से 25 फरवरी तक 10 दिवसीय 30 घंटे की कार्यशाला कॉलेज की आइक्यूएसी तथा संस्कृत विभाग द्वारा दिल्ली प्रांत संस्कृत भारती के संयुक्त तत्वाक्धान में आयोजित की गई।14 फरवरी को दिल्ली प्रांत संस्कृत भारती के प्रांत मंत्री डॉक्टर देवकीनंदन शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में तथा कॉलेज की पूर्व संस्कृत विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर ए. सुधा देवी विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मौजूद रहे।10 दिन तक प्रतिदिन 3 घंटे की संस्कृत संभाषण कार्यशाला में छात्र छात्राओं ने उत्साह पूर्वक प्रतिभागिता की। 25 फरवरी 2023 को संस्कृत भारती की अखिल भारतीय उपाध्यक्षा प्रोफेसर कमला भारद्वाज मुख्य अतिथि के रूप में, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय की सहायक आचार्या डॉ. करुणा आर्या विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कॉलेज के इतिहास विभाग के प्रोफेसर अजीत कुमार ने अतिथियों को प्रतीक चिह्न भेंट कर उनका स्वागत किया। मूल ग्रंथों को समझने के लिए अनिवार्य है संस्कृत का ज्ञान यह बात समापन समारोह के अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर ज्ञानतोष कुमार झा ने कही। मुख्य अतिथि प्रोफेसर कमला भारद्वाज ने संस्कृत भाषा को जन भाषा से पहले मन की भाषा बताया और यह भी कहा कि इस प्रकार की कार्यशाला से भाषा का संस्कार पड़ता है, भाषा के बौध के लिए सतत अभ्यास अनिवार्य है।कार्यशाला शिक्षिका डॉ.अनीता रानी ने अपना अनुभव साझा किया। डॉ. विनीता तुली संयोजिका आइक्यूएसी तथा डॉ. नीलम गौड़ कार्यक्रम संयोजिका संस्कृत विभाग के संयुक्त संयोजकत्व में प्रतिभागियों की प्रस्तुति के साथ यह कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

दि ग्राम टुडे 28.2.2023

'हमें अपनी जड़ों से जोड़ती है संस्कृत'

■ स, नई दिल्ली: 'संस्कृत हमें हमारी परंपराओं से जोड़ती है। मूल ग्रंथों को समझने के लिए भी संस्कृत भाषा जाननी जरूरी है।' दिल्ली यूनिवर्सिटी के आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर ज्ञानतोष झा ने 14 से 25 फरवरी तक चली संस्कृत संभाषण कार्यशाला के समापन पर यह बात कही। वहीं, मुख्य अतिथि और संस्कृत भारती की अखिल भारतीय उपाध्यक्ष प्रफेसर कमला भारद्वाज ने कहा, 'संस्कृत जन भाषा से पहले मन भाषा है। ऐसी कार्यशाला से भाषा का संस्कार पड़ता है।' 30 घंटे चली कार्यशाला में कॉलेज के संस्कृत विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रफेसर ए. सुधा देवी, संस्कृत भारती के दिल्ली प्रांत मंत्री डॉ. देवकीनंदन शर्मा, सहायक आचार्या डॉ. करुणा आर्या आदि भी विशिष्ट अतिथि रहे। प्रोफेसर अजीत कुमार ने अतिथियों को प्रतीक चिह्न भेंट किए। आयोजन में डॉ. विनीता तुली, डॉ. नीलम गौड़ और डॉ.अनीता रानी का योगदान रहा।

नवभारत टाइम्स 2.3.2023